Anekant Education Society's

Tuljaram Chaturchand College of Arts, Science & Commerce, Baramati.

(Autonomous College)

Revised Syllabus for the S.Y.B.A.

(Semester- III)

Year : 2023 – 24

Programme:- S.Y.B.A.

Hindi

CBCS Pattern

Credit Based Semester System

(Revised Syllabus with effect from 2023)

Anekant Education Society's

Tuljaram Chaturchand College of Arts, Science & Commerce, Baramati.

(Autonomous College)

Department of Hindi

Syllabus

Course Structure for S.Y.B.A

Semester-III

CBCS Pattern

Semester- III

Course Code	Course Name	Maximum Marks		Total	
		External	Internal	Marks	Credits
UAHN 231	सामान्य हिंदी (G-2)	60	40	100	03
UAHN 232	काव्यशास्त्र (हिंदी विशेष -1)	60	40	100	03
UAHN 233	मध्ययुगीन काव्य तथा उपन्यास (हिंदी विशेष -2)	60	40	100	03

(40 - 60 pattern to be Implemented from 2023-2024)

Anekant Education Society's

Tuljaram Chaturchand College of Arts, Science & Commerce, Baramati.

(Autonomous College)

Department of Hindi

Syllabus

Course Structure for S.Y.B.A.

Semester-III

CBCS Pattern

Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)
Skill Enhancement Course
Semester- III

Course Code	Course Name	Maximum Marks		Total	
		External	Internal	Marks	Credits
UAHN SEC-1	प्रयोजनमूलक हिंदी	50	-	50	02

(50 pattern to be Implemented from 2023-2024)

द्वितीय वर्ष कला [SYBA]

SEMISTER – III/IV

हिंदी सामान्य – 2

HINDI GENERAL - 2

PAPER CODE : UAHN 231

(कहानी, काव्य एवं लेखन)

पाठ्यक्रम

(शैक्षिक वर्ष : 2023–24 से)

उद्देश्य :

1. छात्रों को हिंदी के प्रतिनिधि कहानीकारों एवं कवियों से परिचित कराना।
2. छात्रों को हिंदी कहानी एवं नई कविता की विशेषताओं से परिचित कराना।
3. छात्रों को हिंदी के कार्यालयीन एवं व्यावहारिक पत्रों के स्वरूप का ज्ञान देना।
4. छात्रों को पारिभाषिक शब्द, विज्ञापन, भेंटवार्ता/साक्षात्कार, रिपोर्ट लेखन आदि हिंदी भाषा के व्यावहारिक क्षेत्रों से परिचित कराना।
5. छात्रों को हिंदी शब्द–युग्म का ज्ञान कराना।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. कहानी समीक्षा के विविध आयाम उद्घाटित करना।
3. पत्रों के नमूनों का छात्रों द्वारा संकलन।
5. वाक्य शुद्धीकरण पर आधारित वस्तुनिष्ठ परीक्षाओं का कक्षा में आयोजन।
6. दृक–श्राव्य माध्यमों/संगणक तथा इंटरनेट आदि का प्रयोग।

पाठ्य पुस्तकें :

1) हिंदी साहित्य और भाषा – संपादक प्रो.डॉ. सदानंद भोसले
प्रकाशक – राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.
1–बी, नेताजी सुभाष मार्ग,दरियागंज नई दिल्ली –110002

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी के प्रतिनिधि कवि– डॉ. दयानंद शर्मा
2. कहानी नई कहानी – डॉ. नामवर सिंह
3. नई कहानी की भूमिका– कमलेश्वर
4. नई कहानी संदर्भ और प्रकृति– देवीशंकर अवस्थी
5. समकालीन हिंदी कहानी – डॉ. पुष्पपाल सिंह
6. नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर – डॉ. संतोषकुमार तिवारी
7. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि– द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
8. प्रयोजनमूलक हिंदी : अधुनातन आयाम– डॉ. अंबादास देशमुख
9. व्यावहारिक हिंदी भाग 1 और 2 – डॉ. ओमप्रकाश मित्तल
10. प्रारूपण, शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन–विधि : राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव
11. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. गोरक्ष थोरात, निराली प्रकाषन, पुणे

क. शब्द–युग्म (समोच्चरित भिन्नार्थक शब्द)

अ. क्र.	शब्द – अर्थ	शब्द – अर्थ
1.	अन्न – अनाज	अन्य – दूसरा
2.	अश्व – घोड़ा	अश्म – पत्थर
3.	अभय – निर्भय	उभय – दोनों
4.	अलि – भ्रमर/भौंरा	अली – सखी/सहेली
5.	अवधि – समय/काल	अवधी – अवध देश की भाषा
6.	कुल – वंश	कूल – किनारा
7.	कर्ण – कान/एक नाम	करण – एक कारक/इंद्रिय
8.	अनिल – पवन/हवा	अनल – अग्नि
9.	अथक – बिना थके हुए	अकथ – जो कहा नहीं जाए
10.	अनभिज्ञ – अनजान	अभिज्ञ – जाननेवाला
11.	किला – गढ़	कीला – बड़ी कील/काँटा
12.	छत्र – छाता	छात्र – विद्यार्थी
13.	चिर – पुराना	चीर – कपड़ा
14.	जरा – थोड़ा	जरा – बुढ़ापा
15.	तरी – नाव	तर – गीलापन
16.	बहु – बहुत	बहू – पुत्रवधू

अनेकांत एज्युकेशन सोसायटी,

तुळजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(कला, विज्ञान व वाणिज्य)

(स्वायत्त)

द्वितीय वर्ष कला [SYBA]

काव्यशास्त्र (हिंदी विशेष – 1) [HINDI SPECIAL - 1]

सेमिस्टर	पेपर कोड नं.	पेपर का नाम	क्रेडिट
I	**UAHN 232**	काव्यशास्त्र (हिंदी विशेष – 1)	**03**
II	**UAHN 242**	काव्यशास्त्र (हिंदी विशेष – 1)	**03**

द्वितीय वर्ष कला [SYBA]

SEMISTER – I/II

हिंदी विशेष – 1

HINDI SPECIAL - 1

PAPER CODE : UAHN 232

काव्यशास्त्र

पाठ्यक्रम

(शैक्षिक वर्ष : 2023–24 से)

उद्देश्य :

1. छात्रों को काव्य (साहित्य) की परिभाषाओं द्वारा काव्य के स्वरूप के साथ काव्य हेतु तथा काव्य के प्रयोजनों का ज्ञान कराना।
2. छात्रों को काव्य के तत्व, काव्य के भेद तथा शब्दशक्ति का ज्ञान कराना।
3. छात्रों को अलंकार, छंदों के स्वरूप के साथ उनका सोदाहरण परिचय कराना।
4. छात्रों को गद्य भेदों के साथ नाटक, एकांकी और निबंध के स्वरूप एवं तत्वों की जानकारी देना।
5. छात्रों को रस का स्वरूप, रस के अंगों एवं भेदों का परिचय देना।
6. छात्रों को आलोचना का स्वरूप, आलोचना की उपयोगिता और आलोचक के गुणों से परिचित कराना।

अध्यापन पद्धति :

1. स्वाध्याय।
2. भारतीय काव्यशास्त्र का सैद्धांतिक एवं अनुप्रयोगात्मक अध्ययन।
3. व्याख्यान, विवेचन तथा विश्लेषण।
4. दृक–श्राव्य माध्यमों / संगणक तथा इंटरनेट आदि साधनों का प्रयोग।
5. काव्यशास्त्र पर संगोष्ठी तथा समूह चर्चा का आयोजन।
6. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।
7. अतिथियों के व्याख्यान।

संदर्भ ग्रंथः

1. काव्यशास्त्रः डॉ भगीरथ मिश्र
2. काव्य के तत्वः आ. देवेंद्रनाथ वर्मा
3. साहित्य विवेचनः क्षेमचंद्र सुमन/योगेंद्र कुमार मल्लिक
4. साहित्यशास्त्र परिचयः डॉ. सुधाकर कलवडे
5. भारतीय काव्यशास्त्रः डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
6. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्रः डॉ. सुरेश कुमार जैन/प्रा.महावीर कंडारकर
7. भारतीय काव्यशास्त्रः डॉ. जितेंद्रनाथ मिश्र
8. भारतीय काव्यशास्त्रः डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त
9. भारतीय काव्यशास्त्रः डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह
10. भारतीय काव्यशास्त्रः सिद्धांतः डॉ. कृष्णदेव झारी
11. भारती काव्यशास्त्र के सिद्धांतः डॉ. सुरेश अग्रवाल
12. समीक्षा शास्त्र के भारतीय मानदंडः डॉ. रामसागर त्रिपाठी
13. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्रः डॉ. यतींद्र तिवारी
14. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्रः डॉ. देवराजसिंह भाटी
15. काव्य–प्रदीपः पं. रामबहोरी शुक्ल
16. काव्यांग प्रकाशः डॉ. विजयपाल सिंह
17. काव्यांग–कौमुदीः पं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
18. भारतीय काव्यशास्त्रः का अध्ययनः डॉ. विश्वंभरनाथ उपाध्याय
19. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्रः डॉ. सत्यदेव चौधरी
20. काव्यशास्त्रः डॉ. सुरेशकुमार जैन/डॉ. गोरक्ष थोरात
21. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना – डॉ वासुदेवनंदन प्रसाद
22. भारतीय काव्यशास्त्रः डॉ. व्ही. एन. भालेराव
23. काव्यशास्त्रः प्रा. माधुरी नगरकर, क्षितिज प्रकाशन, पुणे

अनेकांत एज्युकेशन सोसायटी,

तुळजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(कला, विज्ञान व वाणिज्य)

(स्वायत्त)

द्वितीय वर्ष कला [SYBA]

विशेष हिंदी [HINDI SPECIAL - 2]

सेमिस्टर	पेपर कोड नं.	पेपर का नाम	क्रेडिट
I	UAHN 233	विशेष हिंदी	03
II	UAHN 243	विशेष हिंदी	03

द्वितीय वर्ष कला [SYBA]

SEMISTER – III/IV

हिंदी विशेष – 2

HINDI SPECIAL - 2

PAPER CODE : UAHN 233

हिंदी विशेष – 2
(उपन्यास तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य)
पाठ्यक्रम
(शैक्षिक वर्ष : 2023–24 से)

उद्देश्य : (Objectivies)

1. हिंदी उपन्यास एवं नाटक के विविध मानदंडों के आधार पर छात्रों में समीक्षण की क्षमता निर्माण करना।
2. छात्रों में हिंदी उपन्यास एवं नाटक के आस्वादन की क्षमता विकसित करना।
3. मध्ययुगीन संत एवं भक्तों के काव्य से छात्रों को परिचित कराना।
4. मध्ययुग के प्रतिनिधि कवियों के योगदान के विविध आयामों से छात्रों को परिचित कराना।
5. साहित्य कृतियों के माध्यम से साहित्य के शिल्प एवं सौदर्य से परिचित कराना।

अपेक्षित परिणाम : (Outcomes)

1.छात्रों में साहित्य का रसास्वादन करने की क्षमता विकसित करना।
2.पढी सुनी रचनाओं को जानना,समझना और अभिव्यक्त करने की समझ को बढावा देना।
3. साहित्य की विविध विधाओं की समझ विकसित करना तथा उसका आनंद उठाने में छात्रों को बढावा देना।
4. मध्ययुगीन कवियों के साहित्य का परिचय कराना तथा उनके कार्य को समझना।

अध्यापन पद्धति : (Pedagogy)

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. प्रथम सत्र में स्वाध्याय लेखन लेना।
3. द्वितीय सत्र में आलेख लेखन तथा मौखिकी का आयोजन।
4. नाटक का छात्रों द्वारा मंचन।
5. दृक–श्राव्य माध्यमों/संगणक तथा इंटरनेट आदि साधनों का प्रयोग।
6. अतिथियों के व्याख्यान, संगोष्ठी तथा समूह चर्चा का आयोजन।
7. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।

iii) माया को अंग

1. कबीर माया पापणीं, फंध लै बैठि हाटि।
सब जग तौ फंधै पड़या, गया कबीरा काटि।।
2. कबीर माया मोहनी, जैसी मीठी खाँड।
सतगुर की कृपा भई, नहीं तौ करती भांड़।।
3. माया मुईन मन मुवा, मरि मरि गया सरीर।
आसा तिश्णाँ नाँ मुई, यौं कहि गया कबीरा।।
4. कबीर सो धन संचिए, जो आगैं कूँ होई।
सीस चढ़ाए पोटली, ले जात न देख्या कोई।।
5. कबीर माया मोह की, भई अँधारी लोइ।
जे सूते ते मुसि लिये, रहे बसत कूँ रोइ।।

iv) निंद्या को अंग

1. निंदक नेड़ा राखिये, आँगणि कुटी बँधाइ।
बिन साबण पाँणीं बिना, निरमल करै सुभाइ।।
2. कबीर आप ठगाइये, और न ठगिये कोइ।
आप ठग्याँ सुख ऊपजैं, और ठग्या दुख होइ।।

v) कथनी बिना करनी को अंग

1. पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुवा, पंडित भया न कोइ।
एकै अशिर पीव का, पढै सु पंडित होइ।।

vi) भेष को अंग

1. तन को जोगी सब करै, मन कों बिरला कोइ।
सब सिधि सहजै पाइए, जे मन जोगी होइ।।
2. माला फेरत जुग भया, पाय न मन का फेर।
कर का मनका छाँड़ि दे, मन का मनका फेर।।

अध्यनार्थ विषय :

- कबीर का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
- कबीर की प्रगतिशीलता
- कबीर की भक्तिभावना
- कबीर का समाजसुधार
- कबीर की भाषा
- भावपक्ष, शिल्पपक्ष का अध्ययन।

12. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य –डॉ. राजेंद्र खैरनार, दिव्य डिस्ट्रीब्यटर्स, कानपुर
13. साहित्यिक विधाएँ – डॉ. मधु धवन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
14. हिंदी नाटक में आधुनिक प्रवृत्तियॉ – डॉ. दमयंती श्रीवास्तव, राका प्रकाशन, इलाहाबाद
15. हिंदी नाटक – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
16. हिंदी नाटकः सिद्धांत और विवेचन– डॉ. गिरिश रस्तोगी, ग्रंथम प्रकाशन, कानपुर
17. नाट्यालेख – डॉ. तुकाराम पाटील, हृषिकेश प्रकाशन, पुणे
18. स्वांतत्र्योत्तर हिंदी रंगमंच – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, अतुल प्रकाशन, कानपुर
19. हिंदी नाटक – परमेश्वरी शर्मा, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली
20. उपन्यास का काव्यशास्त्र – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
21. हिंदी उपन्यासः समकालीन विमर्श–डॉ. सत्यदेव त्रिपाठी, अमन प्रकाशन, कानपुर

अनेकांत एज्युकेशन सोसायटी,

तुळजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(कला, विज्ञान व वाणिज्य)

(स्वायत्त)

द्वितीय वर्ष कला [SYBA]

प्रयोजनमूलक हिंदी [Skill Enhancement Course]

सेमिस्टर	पेपर कोड नं.	पेपर का नाम	क्रेडिट
I	**UAHN SEC-1**	प्रयोजनमूलक हिंदी [SE - 1]	**02**
II	**UAHN SEC-2**	प्रयोजनमूलक हिंदी [SE - 2]	**02**

द्वितीय वर्ष कला [SYBA]

SEMISTER – III/IV

Skill Enhancement Course

PAPER CODE : UAHN SE-1

प्रयोजनमूलक हिंदी [SEC - 1]

पाठ्यक्रम

(शैक्षिक वर्ष : 2023–24 से)

उद्देश्य :

1. छात्रों को प्रयोजनमूलक हिंदी के उपायोजन क्षेत्र का परिचय कराना।
2. कार्यालय हिंदी का व्यवहार ज्ञान कराना।
3. सरकारी पत्राचार से परिचय कराना।
4. प्रयोजनमूलक हिंदी अनुप्रयोग में सहयोग देना।
5. छात्रों में सर्जनात्मकता का विकास करना।
6. छात्रों को आलोचना का स्वरूप, आलोचना की उपयोगिता और आलोचक के गुणों से परिचित कराना।

अध्यापन पद्धति :

1. स्वाध्याय।
2. व्याख्यान, विवेचन तथा विश्लेषण।
4. दृक–श्राव्य माध्यमों/संगणक तथा इंटरनेट आदि साधनों का प्रयोग।
5. अतिथियों के व्याख्यान।